संगीत - तबला में स्नातक(बी0ए0)

उद्देश्य *- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत के मूलभूत तत्वों, भारतीय संगीत वाद्य एवं प्रसिद्ध तबला वादकों के जीवन से अवगत कराना है तथा पाठ्यक्रमानुसार तबला के प्रयोगात्मक पक्ष की शिक्षा प्रदान करना है।*

द्वितीय सेमेस्टर कोर कोर्स का पाठ्यक्रम

क्र0 सं0	कोर्स शीर्षक	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	**भारतीय संगीत का परिचय II - तबला एवं प्रयोगात्मक**	**बी0ए0एम0टी0(एन)-102**	**100**	**4**
प्रथम खण्ड	**भारतीय संगीत का परिचय II - तबला**		**50**	**2**
	इकाई 1 - भारतीय संगीत का का संक्षिप्त इतिहास |			
	इकाई 2 - परिभाषाएँ(ध्वनि, नाद, आंदोलन संख्या, मींड़, कण, सूत, खटका, गमक, घसीट, कृन्तन व मुर्की)|			
	इकाई 3 - तबले के घरानों का परिचय।			
	इकाई 4 - भारतीय संगीत वाद्य वर्गीकरण के अंतर्गत अवनद्य वाद्यों का परिचय|			
	इकाई 5 - तबला वादकों का जीवन परिचय (उ0 अहमद जान थिरकवा , पं0 अनोखेलाल एवं उ0 अल्लारख्खा खाँ) ।			
	इकाई 6 - पाठयक्रम की तालों एकताल, सूलताल एवं कहरवा ताल के ठेके को दुगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 7 - पाठ्यक्रम की तालों में एकताल, सूलताल एवं कहरवा ताल में तबले/पखावज की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना।			
द्वितीय खण्ड	**प्रयोगात्मक**		**50**	**2**
	इकाई 8 - एकताल में एकल वादन।*			
	इकाई 9 - सूलताल में टुकड़े, परन, चक्करदार व तिहाई।			
	इकाई 10 - कहरवा ताल का ज्ञान।			
	इकाई 11- पाठ्यक्रम की तालों एकताल, सूलताल एवं कहरवा ताल की पढन्त।			
	इकाई 12 - पाठ्यक्रम की तालों एकताल, सूलताल एवं कहरवा ताल के ठेकों को दुगुन व चौगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 13 - तबले के बोलों व रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) की पढन्त।			
	इकाई 14- पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
	*** एकल वादन - उठान/मुखड़ा, एक पेशकार(तीन पलटों व तिहाई सहित) , एक कायदा(तीन पलटों व तिहाई सहित), एक रेला (तीन पलटों व तिहाई सहित), दो सादे टुकड़े, एक चक्करदार टुकडा एवं एक तिहाई ।**			
	ताल - एकताल, सूलताल व कहरवा			
	नोट - पूर्व सेमेस्टर के पाठ्यक्रम (प्रयोगात्मक) की पुनरावृत्ति।			